U.G. 2nd Semester

Paper: HIN201C (Core)

Credits: 5 = 4 + 1 + 0 (64 Lectures)

प्रश्नपत्र का नाम : भाषा विज्ञान, हिन्दी भाषा एवं देवनागरी लिपि

Unit–I भाषा : परिभाषा, उत्पत्ति के सिद्धान्त, परिवर्तन के कारण, विशेषताएँ, विविध रूप। (16)

Unit–II भारतीय आर्यभाषा : प्राचीन, मध्यकालीन और आधुनिक। (16)

Unit–III हिन्दीभाषा का विकास : हिन्दी का आरंभिक रूप, हिन्दी का अर्थ, हिन्दी का उद्भव एवं विकास, हिन्दी भाषा का क्षेत्र, हिन्दी की विभाषाएँ एवं बोलियां। (16)

Unit–IV लिपि : परिभाषा, आरंभिक स्वरूप व आवश्यकता,विभिन्नरूप (चित्रलिपि, भावलिपि व ध्वनिलिपि), भाषा व लिपि का संबंध, भारत में लिपि का विकास। (16)

Unit–V देवनागरी लिपि : परिचय व विकास, देवनागरीलिपि–मानकीकरण, आदर्श लिपि के गुण और देवनागरी लिपि की विशेषताएँ, लिपि व कंप्यूटर। (16)

संदर्भ–ग्रंथ

- सामान्य भाषाविज्ञान – बाबूराम सक्सेना।
- भाषाविज्ञान की भूमिका - देवेन्द्रनाथ शर्मा।
- भाषाविज्ञान - भोलानाथ तिवारी।
- हिंदीभाषा का इतिहास - धीरेन्द्रवर्मा।
- हिंदी : उद्भव,विकास और रूप - हरदेव बाहरी।
- सामान्य भाषाविज्ञान - वैश्नानारंग।
- हिंदी भाषा : इतिहास और स्वरूप - राजमणि शर्मा।
- हिंदी भाषा का उद्गम और विकास - उदय नारायण तिवारी।

Paper: HIN202C (Core)

Credits: 5 = 4+1+0 (64 Lectures)

प्रश्नपत्र का नाम : हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

Unit–I आधुनिक काल : आधुनिक और आधुनिकता का तात्पर्य,नवजागरण का स्वरूप, स्वतन्त्रता आंदोलन, आधुनिककाल का उप–विभाजन। (16)

Unit–II आधुनिककालीन काव्याधारा–I : भारतेन्दुयुग,द्विवेदीयुग, छायावाद–युग (छायावादी काव्यधारा, राष्ट्रीय सांस्कृतिक काव्यधारा,हालावादी कविता)। (16)

Unit–III आधुनिककालीन काव्याधारा–II : प्रगतिवादी कविता, प्रयोगवादी कविता,नई कविता, सठोत्तरी कविता,नवगीत, ग़जल। (16)

Unit–IV : विविध गद्यविधाएँ : उद्भव एवं विकास (उपन्यास, कहानी, नाटक, एकांकी, समीक्षा, निबंध)। (16)

Unit–V : नयी गद्यविधाएँ : संस्मरण, रिपोतार्ज, जीवनी, डायरी, आत्मकथा, यात्रा–वृत्तान्त, इंटरव्यू आदि। (16)

<u>संदर्भ ग्रंथ–</u>

- **हिंदी साहित्य का इतिहास - रामचंद्र शुक्ल।**
- **हिंदी साहित्य की भूमिका - हजारी प्रसाद द्विवेदी।**
- **हिंदी साहित्य का अतीत – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र।**
- **हिंदी साहित्य का इतिहास – सं. डॉ. नगेंद्र।**
- **हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी।**
- **हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास - हजारी प्रसाद द्विवेदी।**
- **हिंदी साहित्य का बृहत इतिहास (17 खण्ड) -नागरीप्रचारिणी सभा।**
- **हिंदी साहित्य का आदिकाल– हजारी प्रसाद द्विवेदी।**

Paper: HIN203A (AECC)

Credits: 2 = 2+0+0 (32 Lectures)

प्रश्नपत्र का नाम : <u>हिन्दी कविता और कहानी</u>

Unit–I पद्य मंजरी (संपा) डॉ. टी . निर्मला ,डॉ. एस. मोहन (16)

पठित पद एवं कविता :

- **शंकरदेव के बरगीत (1,2,3,4,5)।**
- **कबीरदास के साखी (1,2,3,4,5)।**
- **सूरदास के पद (1,2,3,4,5)।**
- **रहीम के दोहे (1–5)।**
- **बिहारीलाल (1–5)।**
- **माखनलाल चतुर्वेदी (पुष्प की अभिलाषा)।**
- **सूर्यकांत त्रिपाठी निराला (भिक्षुक)।**
- **महादेवी वर्मा (जाग तुझको दूर जाना)।**

Unit–II कहानी एकादशी (संपा) डॉ. विजयलक्ष्मी (16)

पठित कहानी :

- **पाजेब (जैनेन्द्र कुमार)।**
- **परदा (यशपाल)।**

- रोज़ (यअज्ञे)।

सन्दर्भ-ग्रंथ :

- हिन्दी काव्य सुधा ,गौहाती विश्वविद्यालय।
- कथाभूमि, चित्ररंजन मिश्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली ।

Paper: HIN204G (General Elective)

Credits: 4 = 4+0+0 (64 Lectures)

प्रश्नपत्र का नाम : प्रयोजनमूलक हिन्दी

Unit–I प्रयोजनमूलक हिन्दी - अर्थ, परिभाषा, स्वरूप। (16)
Unit–II कामकाजी हिन्दी (सर्जनात्मक भाषा, संपर्क भाषा, राजभाषा) (16)
Unit–III कार्यालयी हिन्दी (आलेखन, टिप्पणी, पत्र लेखन)। (16)
Unit–IV पत्रकारिता : अवधारणा एवं प्रक्रिया। (16)

संदर्भ–ग्रंथ

- डॉ. रमेश 'तरुण', प्रयोजनमूलक हिन्दी,दिल्ली,अशोक प्रकाशन।
- डॉ. अमूल्य चंद्र वर्मन, व्यावहारिक हिन्दी , गुवाहाटी,असम हिन्दी प्रकाशन।
- दंगल झाल्टे, प्रयोजनमूलक हिन्दी – सिद्धांत और प्रयोग,दिल्ली, वाणी प्रकाशन।
- भोलानाथ तिवारी, राजभाषा हिन्दी।
- डॉ. अर्चना श्रीवास्तव, प्रयोजनमूलक हिन्दी के विविध आयाम, विश्वविद्दलय़ प्रकाशन।